HIndi Murli Quiz 31-10-2013

आप यहाँ से सिर्फ 20 मिनट की 3mb की ऑडियो mp3 मुरली डाउनलोड करके अच्छी तरह सुनके/पढके फिर ही क्विज करें. इससे १००/१०० आना आसान हो जायेगा : -)

धन्यवाद

ओम शांति

Q.1) **इन्हें मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	साजन तुमको श्रृंगारते हैं,मह्रारानी बना देते हैं।	1	ऐसे साजन से बुद्धियोग न रखना,बड़ी भारी भूल है।
B	मौत जब नजदीक आयेगी तो मात-पिता बतायेंगे तूमने पुरुषार्थ पूरा नही किया है।	2	नही तो ऊँच पद पा नही सकेंगे।
C	इतना समय पढाई की है तो आपेही सर्विस कर सेन्टर जमाना चाहिए।	3	परन्तु नहीं, यह तो शिवबाबा आकर मदद करते हैं।
D	बाबा समझाते हैं -बादल आयें, रिफ्रेश होकर जाएं,वर्षा बरसाये।	4	कोई सेन्टर खोलते हैं तो बहुत आशीर्वाद मिलती है।
E	कई बच्चे समझते हैं आज हमने मुरली बहुत अच्छी चलाई।	5	यह भी बतायेंगे किकिस किस्म की प्रजा में जायेंगे।

Q.2) **इन्हें मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	मनुष्य चाहते हैं हमको सुख शान्ति पवित्रता चाहिए।	1	जिससे पांच विकारों की अग्नि में जल रहे मनुष्य ठण्डे हो जाते हैं।
B	काम विकार ही पांच विकारों में मुख्य बीज है।	2	ज्ञान अंजन से अन्धियारा मिट जाता है।
C	ईश्वरीय ज्ञान को अमृत भी कहते हैं।	3	वोह तो जब पूर्ण योग होगा तब ही प्राप्ति होगी।
D	कोई ईश्वरीय ज्ञान को अंजन भी कहते हैं।	4	बीज होने से फिर क्रोध,लोभ,मोह,अहंकार आदि झाड़ पैदा होता है।
E	कोई ने ईश्वरीय ज्ञान को ज्ञान वर्षा कहा है।	5	क्योंकि इस ज्ञान से ही सारी सृष्टि हरी -भरी बन जाती है।

Q.3) **गरीब दुखी हैं। उनका इस पतित शरीर से, छी-छी दुनिया से मोह सहज मिट जाता है। गरीब ही अक्सर करके ज्ञान लेते हैं और अच्छी मेहनत करते हैं। स्त्रियाँ भी गरीब घरों की ही आती हैं। बाप भी गरीबों पर बलिहार जाते हैं। गरीबों को वर्सा भी जास्ती मिलता है।इसीलिए बाप को _____ भी कहते हैं। (मुरली के अनुसार, नीचे दिए उत्तरों में केवल एक उत्तर सही है,उसको टिक करिए)**

- A. रहमदिल
- B. दुःख हर्ता-सुख कर्ता
- C. गरीब निवाज

Q.4) **बाप का ज्ञान किन बच्चों की बुद्धि में सहज ही बैठ जाता है ? (फुल मार्क्स लेने के लिए, मुरली के अनुसार सब सही उत्तरों को टिक करें)**

- A. जिनका मोह नष्ट है।
- B. बुद्धि विशाल है अर्थात जिसमे यह हमारा धन है अथवा यह हमारा पति है ---नहीं होता।
- C. जो गरीब बच्चे हैं।

Q.5) **देह सहित सब कुछ भूल एक बाप को याद करो, इस पुरानी दुनिया से अब तुम्हारी बुद्धि हट जानी चाहिए। (आज की मुरली में उपरोक्त वाक्य बाबा ने किन बच्चों के विषय में कहे हैं ? नीचे दिए उत्तरों में केवल एक ही सही उत्तर है, उसे टिक करें)**

- A. पारस बुद्धि बच्चे
- B. मातेले बच्चे
- C. बेहद के वैरागी बच्चे
- D. नष्टोमोहा बच्चे

Q.6) **इन्हें मिलाइये ---**

	Choice		Match
A	बाप का बनने के बाद भी लौकिक सम्बन्धों को याद करना।	1	पुरुष मदद के लिए तैयार हैं,डायरेक्शन बाप देते हैं।
B		2	

	अब जीते जी आकर के बाप का बनना है।		जानने एवं पहचानने बिगर साजन (बाप) से वर्सा नहीं मिल सकती है।
C	पद वह पाते हैं,	3	पुरानी दुनिया अर्थात रौरव नर्क को भूलना भी है और छोड़ना भी है।
D	साजन को सिर्फ साजन कहने से फायदा नहीं हो सकता है।	4	माना कच्ची सगाई है,ऐसे बच्चों को सौतेला कहा जाता है।
E	सबको बाप का परिचय देना कन्याओं -माताओं को है, उन्हें बड़ा नशा रहना चाहिए।	5	जो रचता और रचना का परिचय देते हैं।

Q.7) आज की मुरली के अनुसार धारणा के सभी मुख्य बिन्दु टिक करें -----

A. बाप समान मुरलीधर बनना है
B. पढ़ाई की है तो सेन्टर जमाना है
C. रोज अमृतवेला ज्ञान मनन-चिन्तन करना है।
D. मुरली चलाने का अहंकार नहीं आना है।
E. एक के साथ सर्व सम्बन्ध रख बुद्धियोग अनेक बन्धनों से निकाल लेना है।
F. एक के साथ पक्की सगाई करनी है।

Q.8) मुरली के अनुसार मनुष्यों को भगवान का परिचय देने के लिए क्या -क्या मूल बातें समझानी हैं ? (फुल मार्क्स लेने के लिए सभी सही उत्तर टिक करें)

A. बाप को जानने से ही मुक्ति -जीवन्मुक्ति की वर्सा मिल सकती है।
B. उनको नहीं जानेंगे तो तुम पाप करते रहेंगे, बाप को गाली देते रहेंगे।
C. फायदा तो एक बाप से ही होता है, जिसको हम जानते हैं ,तुम नहीं जानते हो।
D. जिस भगवान को सब याद करते हैं वह पतित- पावन है।
E. वह राजयोग सिखलाकर नर से नारायण बनाते हैं।

Q.9) यह पुरानी कर्मबन्धन की दुनिया बुद्धि से हट जानी चाहिए। उसके लिए पुरुषार्थ चाहिए क्योंकि यह है जन्म-जन्मान्तर का कर्मबंधन। कितने पाप,किस -किस के साथ किये हैं,वह सब जन्म ले भोगने पड़ते हैं

A. True
B. False

Q.10) आज के वरदान के अनुसार : जैसी मन की पोजीशन होती है वह चेहरे के पोज़ से दिखाई देती है। जैसे कई बच्चे कभी -कभी मन पर कोई बोझ के कारण, कभी बहुत सोचने के कारण और कभी दिलशिकस्त होने के कारण भिन्न भिन्न पोज़ बदलने का खेल करते हैं। बाप कहते अपने ऐसे पोज़ साक्षी होकर देखो और मन की _____ में स्थित हो। (नीचे दिए उत्तरों में एक उत्तर ही सही है, उसे टिक करके उपरोक्त रिक्त स्थान भरें)

A. श्रेष्ठ पोजीशन
B. शान्त स्थिति
C. अचल अडोल स्थिति